प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

**संचार विभाग**, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
**Department of Communication**, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

29 दिसंबर 2025

# भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25

आज, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36 (2) के अनुपालन में, भारतीय रिज़र्व बैंक ने भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25 जारी की। यह रिपोर्ट वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान अब तक वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों सहित बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन को प्रस्तुत करती है।

## प्रमुख बिंदु

- भारतीय वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र वर्ष 2024-25 के दौरान आघात-सहनीय बना रहा, जिसे दोहरे अंकों के तुलन-पत्र विस्तार का समर्थन मिला। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की जमाराशियों और ऋण में दोहरे अंकों में वृद्धि हुई; *हालांकि* पिछले वर्ष की तुलना में इसमें कमी आई है।

- एससीबी का पूंजी-जोखिम भारित आस्ति अनुपात मार्च 2025 के अंत में 17.4 प्रतिशत और सितंबर 2025 के अंत में 17.2 प्रतिशत रहा।

- आस्ति की गुणवत्ता और बढ़ी, सकल अनर्जक आस्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च 2025 के अंत में 2.2 प्रतिशत और सितंबर 2025 के अंत में 2.1 प्रतिशत के बहु-दशकीय निचले स्तर तक गिर गया।

- वर्ष 2024-25 में आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) 1.4 प्रतिशत और इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) 13.5 प्रतिशत के साथ एससीबी की लाभप्रदता मजबूत रही। वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के दौरान, एससीबी का आरओए और आरओई क्रमशः 1.3 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत रहा।

- शहरी सहकारी बैंकों के समेकित तुलन पत्र ने वर्ष 2024-25 में पिछले वर्ष की तुलना में अधिक वृद्धि दर्ज की। उनकी आस्ति गुणवत्ता में लगातार चौथे वर्ष सुधार हुआ, साथ ही उनकी पूंजी बफर और लाभप्रदता में मजबूती आई।

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने मजबूत पूंजी बफर के साथ दो अंकों की ऋण वृद्धि दर्ज करना जारी रखा। वर्ष के दौरान उनकी आस्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

**(ब्रिज राज)**
मुख्य महाप्रबंधक

**प्रेस प्रकाशनी: 2025-2026/1786**